तारा विना श्याम मने एकलडु लागे गरबा गीत

तारा विना श्याम मने एकलडु लागे
तेरे बिना श्याम मुझे अकेलहि लागे
रास रमवा ने वहलो आवजे....
रास रमवा को जल्दी आव रे
तारा विना श्याम एकलडु लागे...

शरद पूनाम नी रातडी.. ओहो
चांदनी खिली छे भली भांत नी..
तू न आवे तो श्याम, रास जामे न श्याम
रास रमवा ने वहलो आव आव आव श्याम
रास रमवा ने वहलो आवजे....

गरबे घूमती गोपियो.. ओहो
सूनी छे गोकुल नी शेरीयो..
सूनी सूनी शेरियो मां, गोकुल नी गलियों मां
रास रमवा ने वहलो आव आव आव श्याम
रास रमवा ने वहलो आवजे....

अंग अंग रंग से अनंग नो.. ओहो
रंग केम जाए तारा संग नो..
पायल झंकार सुनी, रोदिया नो नाद सुनी
रास रमवा ने वहलो आव आव आव श्याम
रास रमवा ने वहलो आवजे....

Chalisamantras.com

Chalisamantras.com